

## INFORMACIÓN ESTADÍSTICA SEMANAL

| VARIABLES d/ | 2011 |  |  |  | 2012 |  |  |  | 2013 |  |  |  | 2014 |  |  |  | 2015 |  |  |  | 2016 |  |  |  | 2017 |  |  |  | 2018 |  |  |  | 2019 |  |  |  | 2020 |  |  |  | 2021 |  |  |  | 2022 |  |  |  | 2023 |  |  |  | 2024 |  |  |  | 2025 |  |  |  | 2026 |  |  |  | 2027 |  |  |  | 2028 |  |  |  | 2029 |  |  |  | 2030 |  |  |  | 2031 |  |  |  | 2032 |  |  |  | 2033 |  |  |  | 2034 |  |  |  | 2035 |  |  |  | 2036 |  |  |  | 2037 |  |  |  | 2038 |  |  |  | 2039 |  |  |  | 2040 |  |  |  | 2041 |  |  |  | 2042 |  |  |  | 2043 |  |  |  | 2044 |  |  |  | 2045 |  |  |  | 2046 |  |  |  | 2047 |  |  |  | 2048 |  |  |  | 2049 |  |  |  | 2050 |  |  |  | 2051 |  |  |  | 2052 |  |  |  | 2053 |  |  |  | 2054 |  |  |  | 2055 |  |  |  | 2056 |  |  |  | 2057 |  |  |  | 2058 |  |  |  | 2059 |  |  |  | 2060 |  |  |  | 2061 |  |  |  | 2062 |  |  |  | 2063 |  |  |  | 2064 |  |  |  | 2065 |  |  |  | 2066 |  |  |  | 2067 |  |  |  | 2068 |  |  |  | 2069 |  |  |  | 2070 |  |  |  | 2071 |  |  |  | 2072 |  |  |  | 2073 |  |  |  | 2074 |  |  |  | 2075 |  |  |  | 2076 |  |  |  | 2077 |  |  |  | 2078 |  |  |  | 2079 |  |  |  | 2080 |  |  |  | 2081 |  |  |  | 2082 |  |  |  | 2083 |  |  |  | 2084 |  |  |  | 2085 |  |  |  | 2086 |  |  |  | 2087 |  |  |  | 2088 |  |  |  | 2089 |  |  |  | 2090 |  |  |  | 2091 |  |  |  | 2092 |  |  |  | 2093 |  |  |  | 2094 |  |  |  | 2095 |  |  |  | 2096 |  |  |  | 2097 |  |  |  | 2098 |  |  |  | 2099 |  |  |  | 2100 |  |  |  | 2101 |  |  |  | 2102 |  |  |  | 2103 |  |  |  | 2104 |  |  |  | 2105 |  |  |  | 2106 |  |  |  | 2107 |  |  |  | 2108 |  |  |  | 2109 |  |  |  | 2110 |  |  |  | 2111 |  |  |  | 2112 |  |  |  | 2113 |  |  |  | 2114 |  |  |  | 2115 |  |  |  | 2116 |  |  |  | 2117 |  |  |  | 2118 |  |  |  | 2119 |  |  |  | 2120 |  |  |  | 2121 |  |  |  | 2122 |  |  |  | 2123 |  |  |  | 2124 |  |  |  | 2125 |  |  |  | 2126 |  |  |  | 2127 |  |  |  | 2128 |  |  |  | 2129 |  |  |  | 2130 |  |  |  | 2131 |  |  |  | 2132 |  |  |  | 2133 |  |  |  | 2134 |  |  |  | 2135 |  |  |  | 2136 |  |  |  | 2137 |  |  |  | 2138 |  |  |  | 2139 |  |  |  | 2140 |  |  |  | 2141 |  |  |  | 2142 |  |  |  | 2143 |  |  |  | 2144 |  |  |  | 2145 |  |  |  | 2146 |  |  |  | 2147 |  |  |  | 2148 |  |  |  | 2149 |  |  |  | 2150 |  |  |  | 2151 |  |  |  | 2152 |  |  |  | 2153 |  |  |  | 2154 |  |  |  | 2155 |  |  |  | 2156 |  |  |  | 2157 |  |  |  | 2158 |  |  |  | 2159 |  |  |  | 2160 |  |  |  | 2161 |  |  |  | 2162 |  |  |  | 2163 |  |  |  | 2164 |  |  |  | 2165 |  |  |  | 2166 |  |  |  | 2167 |  |  |  | 2168 |  |  |  | 2169 |  |  |  | 2170 |  |  |  | 2171 |  |  |  | 2172 |  |  |  | 2173 |  |  |  | 2174 |  |  |  | 2175 |  |  |  | 2176 |  |  |  | 2177 |  |  |  | 2178 |  |  |  | 2179 |  |  |  | 2180 |  |  |  | 2181 |  |  |  | 2182 |  |  |  | 2183 |  |  |  | 2184 |  |  |  | 2185 |  |  |  | 2186 |  |  |  | 2187 |  |  |  | 2188 |  |  |  | 2189 |  |  |  | 2190 |  |  |  | 2191 |  |  |  | 2192 |  |  |  | 2193 |  |  |  | 2194 |  |  |  | 2195 |  |  |  | 2196 |  |  |  | 2197 |  |  |  | 2198 |  |  |  | 2199 |  |  |  | 2200 |  |  |  | 2201 |  |  |  | 2202 |  |  |  | 2203 |  |  |  | 2204 |  |  |  | 2205 |  |  |  | 2206 |  |  |  | 2207 |  |  |  | 2208 |  |  |  | 2209 |  |  |  | 2210 |  |  |  | 2211 |  |  |  | 2212 |  |  |  | 2213 |  |  |  | 2214 |  |  |  | 2215 |  |  |  | 2216 |  |  |  | 2217 |  |  |  | 2218 |  |  |  | 2219 |  |  |  | 2220 |  |  |  | 2221 |  |  |  | 2222 |  |  |  | 2223 |  |  |  | 2224 |  |  |  | 2225 |  |  |  | 2226 |  |  |  | 2227 |  |  |  | 2228 |  |  |  | 2229 |  |  |  | 2230 |  |  |  | 2231 |  |  |  | 2232 |  |  |  | 2233 |  |  |  | 2234 |  |  |  | 2235 |  |  |  | 2236 |  |  |  | 2237 |  |  |  | 2238 |  |  |  | 2239 |  |  |  | 2240 |  |  |  | 2241 |  |  |  | 2242 |  |  |  | 2243 |  |  |  | 2244 |  |  |  | 2245 |  |  |  | 2246 |  |  |  | 2247 |  |  |  | 2248 |  |  |  | 2249 |  |  |  | 2250 |  |  |  | 2251 |  |  |  | 2252 |  |  |  | 2253 |  |  |  | 2254 |  |  |  | 2255 |  |  |  | 2256 |  |  |  | 2257 |  |  |  | 2258 |  |  |  | 2259 |  |  |  | 2260 |  |  |  | 2261 |  |  |  | 2262 |  |  |  | 2263 |  |  |  | 2264 |  |  |  | 2265 |  |  |  | 2266 |  |  |  | 2267 |  |  |  | 2268 |  |  |  | 2269 |  |  |  | 2270 |  |  |  | 2271 |  |  |  | 2272 |  |  |  | 2273 |  |  |  | 2274 |  |  |  | 2275 |  |  |  | 2276 |  |  |  | 2277 |  |  |  | 2278 |  |  |  | 2279 |  |  |  | 2280 |  |  |  | 2281 |  |  |  | 2282 |  |  |  | 2283 |  |  |  | 2284 |  |  |  | 2285 |  |  |  | 2286 |  |  |  | 2287 |  |  |  | 2288 |  |  |  | 2289 |  |  |  | 2290 |  |  |  | 2291 |  |  |  | 2292 |  |  |  | 2293 |  |  |  | 2294 |  |  |  | 2295 |  |  |  | 2296 |  |  |  | 2297 |  |  |  | 2298 |  |  |  | 2299 |  |  |  | 2300 |  |  |  | 2301 |  |  |  | 2302 |  |  |  | 2303 |  |  |  | 2304 |  |  |  | 2305 |  |  |  | 2306 |  |  |  | 2307 |  |  |  | 2308 |  |  |  | 2309 |  |  |  | 2310 |  |  |  | 2311 |  |  |  | 2312 |  |  |  | 2313 |  |  |  | 2314 |  |  |  | 2315 |  |  |  | 2316 |  |  |  | 2317 |  |  |  | 2318 |  |  |  | 2319 |  |  |  | 2320 |  |  |  | 2321 |  |  |  | 2322 |  |  |  | 2323 |  |  |  | 2324 |  |  |  | 2325 |  |  |  | 2326 |  |  |  | 2327 |  |  |  | 2328 |  |  |  | 2329 |  |  |  | 2330 |  |  |  | 2331 |  |  |  | 2332 |  |  |  | 2333 |  |  |  | 2334 |  |  |  | 2335 |  |  |  | 2336 |  |  |  | 2337 |  |  |  | 2338 |  |  |  | 2339 |  |  |  | 2340 |  |  |  | 2341 |  |  |  | 2342 |  |  |  | 2343 |  |  |  | 2344 |  |  |  | 2345 |  |  |  | 2346 |  |  |  | 2347 |  |  |  | 2348 |  |  |  | 2349 |  |  |  | 2350 |  |  |  | 2351 |  |  |  | 2352 |  |  |  | 2353 |  |  |  | 2354 |  |  |  | 2355 |  |  |  | 2356 |  |  |  | 2357 |  |  |  | 2358 |  |  |  | 2359 |  |  |  | 2360 |  |  |  | 2361 |  |  |  | 2362 |  |  |  | 2363 |  |  |  | 2364 |  |  |  | 2365 |  |  |  | 2366 |  |  |  | 2367 |  |  |  | 2368 |  |  |  | 2369 |  |  |  | 2370 |  |  |  | 2371 |  |  |  | 2372 |  |  |  | 2373 |  |  |  | 2374 |  |  |  | 2375 |  |  |  | 2376 |  |  |  | 2377 |  |  |  | 2378 |  |  |  | 2379 |  |  |  | 2380 |  |  |  | 2381 |  |  |  | 2382 |  |  |  | 2383 |  |  |  | 2384 |  |  |  | 2385 |  |  |  | 2386 |  |  |  | 2387 |  |  |  | 2388 |  |  |  | 2389 |  |  |  | 2390 |  |  |  | 2391 |  |  |  | 2392 |  |  |  | 2393 |  |  |  | 2394 |  |  |  | 2395 |  |  |  | 2396 |  |  |  | 2397 |  |  |  | 2398 |  |  |  | 2399 |  |  |  | 2400 |  |  |  | 2401 |  |  |  | 2402 |  |  |  | 2403 |  |  |  | 2404 |  |  |  | 2405 |  |  |  | 2406 |  |  |  | 2407 |  |  |  | 2408 |  |  |  | 2409 |  |  |  | 2410 |  |  |  | 2411 |  |  |  | 2412 |  |  |  | 2413 |  |  |  | 2414 |  |  |  | 2415 |  |  |  | 2416 |  |  |  | 2417 |  |  |  | 2418 |  |  |  | 2419 |  |  |  | 2420 |  |  |  | 2421 |  |  |  | 2422 |  |  |  | 2423 |  |  |  | 2424 |  |  |  | 2425 |  |  |  | 2426 |  |  |  | 2427 |  |  |  | 2428 |  |  |  | 2429 |  |  |  | 2430 |  |  |  | 2431 |  |  |  | 2432 |  |  |  | 2433 |  |  |  | 2434 |  |  |  | 2435 |  |  |  | 2436 |  |  |  | 2437 |  |  |  | 2438 |  |  |  | 2439 |  |  |  | 2440 |  |  |  | 2441 |  |  |  | 2442 |  |  |  | 2443 |  |  |  | 2444 |  |  |  | 2445 |  |  |  | 2446 |  |  |  | 2447 |  |  |  | 2448 |  |  |  | 2449 |  |  |  | 2450 |  |  |  | 2451 |  |  |  | 2452 |  |  |  | 2453 |  |  |  | 2454 |  |  |  | 2455 |  |  |  | 2456 |  |  |  | 2457 |  |  |  | 2458 |  |  |  | 2459 |  |  |  | 2460 |  |  |  | 2461 |  |  |  | 2462 |  |  |  | 2463 |  |  |  | 2464 |  |  |  | 2465 |  |  |  | 2466 |  |  |  | 2467 |  |  |  | 2468 |  |  |  | 2469 |  |  |  | 2470 |  |  |  | 2471 |  |  |  | 2472 |  |  |  | 2473 |  |  |  | 2474 |  |  |  | 2475 |  |  |  | 2476 |  |  |  | 2477 |  |  |  | 2478 |  |  |  | 2479 |  |  |  | 2480 |  |  |  | 2481 |  |  |  | 2482 |  |  |  | 2483 |  |  |  | 2484 |  |  |  | 2485 |  |  |  | 2486 |  |  |  | 2487 |  |  |  | 2488 |  |  |  | 2489 |  |  |  | 2490 |  |  |  | 2491 |  |  |  | 2492 |  |  |  | 2493 |  |  |  | 2494 |  |  |  | 2495 |  |  |  | 2496 |  |  |  | 2497 |  |  |  | 2498 |  |  |  | 2499 |  |  |  | 2500 |  |  |  | 2501 |  |  |  | 2502 |  |  |  | 2503 |  |  |  | 2504 |  |  |  | 2505 |  |  |  | 2506 |  |  |  | 2507 |  |  |  | 2508 |  |  |  | 2509 |  |  |  | 2510 |  |  |  | 2511 |  |  |  | 2512 |  |  |  | 2513 |  |  |  | 2514 |  |  |  | 2515 |  |  |  | 2516 |  |  |  | 2517 |  |  |  | 2518 |  |  |  | 2519 |  |  |  | 2520 |  |  |  | 2521 |  |  |  | 2522 |  |  |  | 2523 |  |  |  | 2524 |  |  |  | 2525 |  |  |  | 2526 |  |  |  | 2527 |  |  |  | 2528 |  |  |  | 2529 |  |  |  | 2530 |  |  |  | 2531 |  |  |  | 2532 |  |  |  | 2533 |  |  |  | 2534 |  |  |  | 2535 |  |  |  | 2536 |  |  |  | 2537 |  |  |  | 2538 |  |  |  | 2539 |  |  |  | 2540 |  |  |  | 2541 |  |  |  | 2542 |  |  |  | 2543 |  |  |  | 2544 |  |  |  | 2545 |  |  |  | 2546 |  |  |  | 2547 |  |  |  | 2548 |  |  |  | 2549 |  |  |  | 2550 |  |  |  | 2551 |  |  |  | 2552 |  |  |  | 2553 |  |  |  | 2554 |  |  |  | 2555 |  |  |  | 2556 |  |  |  | 2557 |  |  |  | 2558 |  |  |  | 2559 |  |  |  | 2560 |  |  |  | 2561 |  |  |  | 2562 |  |  |  | 2563 |  |  |  | 2564 |  |  |  | 2565 |  |  |  | 2566 |  |  |  | 2567 |  |  |  | 2568 |  |  |  | 2569 |  |  |  | 2570 |  |  |  | 2571 |  |  |  | 2572 |  |  |  | 2573 |  |  |  | 2574 |  |  |  | 2575 |  |  |  | 2576 |  |  |  | 2577 |  |  |  | 2578 |  |  |  | 2579 |  |  |  | 2580 |  |  |  | 2581 |  |  |  | 2582 |  |  |  | 2583 |  |  |  | 2584 |  |  |  | 2585 |  |  |  | 2586 |  |  |  | 2587 |  |  |  | 2588 |  |  |  | 2589 |  |  |  | 2590 |  |  |  | 2591 |  |  |  | 2592 |  |  |  | 2593 |  |  |  | 2594 |  |  |  | 2595 |  |  |  | 2596 |  |  |  | 2597 |  |  |  | 2598 |  |  |  | 2599 |  |  |  | 2600 |  |  |  | 2601 |  |  |  | 2602 |  |  |  | 2603 |  |  |  | 2604 |  |  |  | 2605 |  |  |  | 2606 |  |  |  | 2607 |  |  |  | 2608 |  |  |  | 2609 |  |  |  | 2610 |  |  |  | 2611 |  |  |  | 2612 |  |  |  | 2613 |  |  |  | 2614 |  |  |  | 2615 |  |  |  | 2616 |  |  |  | 2617 |  |  |  | 2618 |  |  |  | 2619 |  |  |  | 2620 |  |  |  | 2621 |  |  |  | 2622 |  |  |  | 2623 |  |  |  | 2624 |  |  |  | 2625 |  |  |  | 2626 |  |  |  | 2627 |  |  |  | 2628 |  |  |  | 2629 |  |  |  | 2630 |  |  |  | 2631 |  |  |  | 2632 |  |  |  | 2633 |  |  |  | 2634 |  |  |  | 2635 |  |  |  | 2636 |  |  |  | 2637 |  |  |  | 2638 |  |  |  | 2639 |  |  |  | 2640 |  |  |  | 2641 |  |  |  | 2642 |  |  |  | 2643 |  |  |  | 2644 |  |  |  | 2645 |  |  |  | 2646 |  |  |  | 2647 |  |  |  | 2648 |  |  |  | 2649 |  |  |  | 2650 |  |  |  | 2651 |  |  |  | 2652 |  |  |  | 2653 |  |  |  | 2654 |  |  |  | 2655 |  |  |  | 2656 |  |  |  | 2657 |  |  |  | 2658 |  |  |  | 2659 |  |  |  | 2660 |  |  |  | 2661 |  |  |  | 2662 |  |  |  | 2663 |  |  |  | 2664 |  |  |  | 2665 |  |  |  | 2666 |  |  |  | 2667 |  |  |  | 2668 |  |  |  | 2669 |  |  |  | 2670 |  |  |  | 2671 |  |  |  | 2672 |  |  |  | 2673 |  |  |  | 2674 |  |  |  | 2675 |  |  |  | 2676 |  |  |  | 2677 |  |  |  | 2678 |  |  |  | 2679 |  |  |  | 2680 |  |  |  | 2681 |  |  |  | 2682 |  |  |  | 2683 |  |  |  | 2684 |  |  |  | 2685 |  |  |  | 2686 |  |  |  | 2687 |  |  |  | 2688 |  |  |  | 2689 |  |  |  | 2690 |  |  |  | 2691 |  |  |  | 2692 |  |  |  | 2693 |  |  |  | 2694 |  |  |  | 2695 |  |  |  | 2696 |  |  |  | 2697 |  |  |  | 2698 |  |  |  | 2699 |  |  |  | 2700 |  |  |  | 2701 |  |  |  | 2702 |  |  |  | 2703 |  |  |  | 2704 |  |  |  | 2705 |  |  |  | 2706 |  |  |  | 2707 |  |  |  | 2708 |  |  |  | 2709 |  |  |  | 2710 |  |  |  | 2711 |  |  |  | 2712 |  |  |  | 2713 |  |  |  | 2714 |  |  |  | 2715 |  |  |  | 2716 |  |  |  | 2717 |  |  |  | 2718 |  |  |  | 2719 |  |  |  | 2720 |  |  |  | 2721 |  |  |  | 2722 |  |  |  | 2723 |  |  |  | 2724 |  |  |  | 2725 |  |  |  | 2726 |  |  |  | 2727 |  |  |  | 2728 |  |  |  | 2729 |  |  |  | 2730 |  |  |  | 2731 |  |  |  | 2732 |  |  |  | 2733 |  |  |  | 2734 |  |  |  | 2735 |  |  |  | 2736 |  |  |  | 2737 |  |  |  | 2738 |  |  |  | 2739 |  |  |  | 2740 |  |  |  | 2741 |  |  |  | 2742 |  |  |  | 2743 |  |  |  | 2744 |  |  |  | 2745 |  |  |  | 2746 |  |  |  | 2747 |  |  |  | 2748 |  |  |  | 2749 |  |  |  | 2750 |  |  |  | 2751 |  |  |  | 2752 |  |  |  | 2753 |  |  |  | 2754 |  |  |  | 2755 |  |  |  | 2756 |  |  |  | 2757 |  |  |  | 2758 |  |  |  | 2759 |  |  |  | 2760 |  |  |  | 2761 |  |  |  | 2762 |  |  |  | 2763 |  |  |  | 2764 |  |  |  | 2765 |  |  |  | 2766 |  |  |  | 2767 |  |  |  | 2768 |  |  |  | 2769 |  |  |  | 2770 |  |  |  | 2771 |  |  |  | 2772 |  |  |  | 2773 |  |  |  | 2774 |  |  |  | 2775 |  |  |  | 2776 |  |  |  | 2777 |  |  |  | 2778 |  |  |  | 2779 |  |  |  | 2780 |  |  |  | 2781 |  |  |  | 2782 |  |  |  | 2783 |  |  |  | 2784 |  |  |  | 2785 |  |  |  | 2786 |  |  |  | 2787 |  |  |  | 2788 |  |  |  | 2789 |  |  |  | 2790 |  |  |  | 2791 |  |  |  | 2792 |  |  |  | 2793 |  |  |  | 2794 |  |  |  | 2795 |  |  |  | 2796 |  |  |  | 2797 |  |  |  | 2798 |  |  |  | 2799 |  |  |  | 2800 |  |  |  | 2801 |  |  |  | 2802 |  |  |  | 2803 |  |  |  | 2804 |  |  |  | 2805 |  |  |  | 2806 |  |  |  | 2807 |  |  |  | 2808 |  |  |  | 2809 |  |  |  | 2810 |  |  |  | 2811 |  |  |  | 2812 |  |  |  | 2813 |  |  |  | 2814 |  |  |  | 2815 |  |  |  | 2816 |  |  |  | 2817 |  |  |  | 2818 |  |  |  | 2819 |  |  |  | 2820 |  |  |  | 2821 |  |  |  | 2822 |  |  |  | 2823 |  |  |  | 2824 |  |  |  | 2825 |  |  |  | 2826 |  |  |  | 2827 |  |  |  | 2828 |  |  |  | 2829 |  |  |  | 2830 |  |  |  | 2831 |  |  |  | 2832 |  |  |  | 2833 |  |  |  | 2834 |  |  |  | 2835 |  |  |  | 2836 |  |  |  | 2837 |  |  |  | 2838 |  |  |  | 2839 |  |  |  | 2840 |  |  |  | 2841 |  |  |  | 2842 |  |  |  | 2843 |  |  |  | 2844 |  |  |  | 2845 |  |  |  | 2846 |  |  |  | 2847 |  |  |  | 2848 |  |  |  | 2849 |  |  |  | 2850 |  |  |  | 2851 |  |  |  | 2852 |  |  |  | 2853 |  |  |  | 2854 |  |  |  | 2855 |  |  |  | 2856 |  |  |  | 2857 |  |  |  | 2858 |  |  |  | 2859 |  |  |  | 2860 |  |  |  | 2861 |  |  |  | 2862 |  |  |  | 2863 |  |  |  | 2864 |  |  |  | 2865 |  |  |  | 2866 |  |  |  | 2867 |  |  |  | 2868 |  |  |  | 2869 |  |  |  | 2870 |  |  |  | 2871 |  |  |  | 2872 |  |  |  | 2873 |  |  |  | 2874 |  |  |  | 2875 |  |  |  | 2876 |  |  |  | 2877 |  |  |  | 2878 |  |  |  | 2879 |  |  |  | 2880 |  |  |  | 2881 |  |  |  | 2882 |  |  |  | 2883 |  |  |  | 2884 |  |  |  | 2885 |  |  |  | 2886 |  |  |  | 2887 |  |  |  | 2888 |  |  |  | 2889 |  |  |  | 2890 |  |  |  | 2891 |  |  |  | 2892 |  |  |  | 2893 |  |  |  | 2894 |  |  |  | 2895 |  |  |  | 2896 |  |  |  | 2897 |  |  |  | 2898 |  |  |  | 2899 |  |  |  | 2900 |  |  |  | 2901 |  |  |  | 2902 |  |  |  | 2903 |  |  |  | 2904 |  |  |  | 2905 |  |  |  | 2906 |  |  |  | 2907 |  |  |  | 2908 |  |  |  | 2909 |  |  |  | 2910 |  |  |  | 2911 |  |  |  | 2912 |  |  |  | 2913 |  |  |  | 2914 |  |  |  | 2915 |  |  |  | 2916 |  |  |  | 2917 |  |  |  | 2918 |  |  |  | 2919 |  |  |  | 2920 |  |  |  | 2921 |  |  |  | 2922 |  |  |  | 2923 |  |  |  | 2924 |  |  |  | 2925 |  |  |  | 2926 |  |  |  | 2927 |  |  |  | 2928 |  |  |  | 2929 |  |  |  | 2930 |  |  |  | 2931 |  |  |  | 2932 |  |  |  | 2933 |  |  |  | 2934 |  |  |  | 2935 |  |  |  | 2936 |  |  |  | 2937 |  |  |  | 2938 |  |  |  | 2939 |  |  |  | 2940 |  |  |  | 2941 |  |  |  | 2942 |  |  |  | 2943 |  |  |  | 2944 |  |  |  | 2945 |  |  |  | 2946 |  |  |  | 2947 |  |  |  | 2948 |  |  |  | 2949 |  |  |  | 2950 |  |  |  | 2951 |  |  |  | 2952 |  |  |  | 2953 |  |  |  | 2954 |  |  |  | 2955 |  |  |  | 2956 |  |  |  | 2957 |  |  |  | 2958 |  |  |  | 2959 |  |  |  | 2960 |  |  |  | 2961 |  |  |  | 2962 |  |  |  | 2963 |  |  |  | 2964 |  |  |  | 2965 |  |  |  | 2966 |  |  |  | 2967 |  |  |  | 2968 |  |  |  | 2969 |  |  |  | 2970 |  |  |  | 2971 |  |  |  | 2972 |  |  |  | 2973 |  |  |  | 2974 |  |  |  | 2975 |  |  |  | 2976 |  |  |  | 2977 |  |  |  | 2978 |  |  |  | 2979 |  |  |  | 2980 |  |  |  | 2981 |  |  |  | 2982 |  |  |  | 2983 |  |  |  | 2984 |  |  |  | 2985 |  |  |  | 2986 |  |  |  | 2987 |  |  |  | 2988 |  |  |  | 2989 |  |  |  | 2990 |  |  |  | 2991 |  |  |  | 2992 |  |  |  | 2993 |  |  |  | 2994 |  |  |  | 2995 |  |  |  | 2996 |  |  |  | 2997 |  |  |  | 2998 |  |  |  | 2999 |  |  |  | 3000 |  |  |  | 3001 |  |  |  | 3002 |  |  |  | 3003 |  |  |  | 3004 |  |  |  | 3005 |  |  |  | 3006 |  |  |  | 3007 |  |  |  | 3008 |  |  |  | 3009 |  |  |  | 3010 |  |  |  | 3011 |  |  |  | 3012 |  |  |  | 3013 |  |  |  | 3014 |  |  |  | 3015 |  |  |  | 3016 |  |  |  | 3017 |  |  |  | 3018 |  |  |  | 3019 |  |  |  | 3020 |  |  |  | 3021 |  |  |  | 3022 |  |  |  | 3023 |  |  |  | 3024 |  |  |  | 3025 |  |  |  | 3026 |  |  |  | 3027 |  |  |  | 3028 |  |  |  | 3029 |  |  |  | 3030 |  |  |  | 3031 |  |  |  | 3032 |  |  |  | 3033 |  |  |  | 3034 |  |  |  | 3035 |  |  |  | 3036 |  |  |  | 3037 |  |  |  | 3038 |  |  |  | 3039 |  |  |  | 3040 |  |  |  | 30 |  |  |  |
|--------------|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|----|--|--|--|
|--------------|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|------|--|--|--|----|--|--|--|

- Información preliminar

a) La variación semanal se calcula con la información más reciente de la semana.

b/ Datos registrados correspondientes a los días hábiles

nd No disponible

<sup>7</sup> El ahorro financiero incluye: i) Depósitos en el Sistema Financiero, ii) Certificados de Depósitos (CD) emitidos por el BCB para las administradoras del sistema integral de pensiones y las compañías de seguros y reaseguros y iii) Títulos del BCB en poder del sector privado no financiero que incluyen los Bonos BCB-Directo, BCB-Aniversario, BCB-Naideño y BCB-Plus.

<sup>8</sup> Incluye ajuste del 5% en el Sistema bancario.

<sup>9</sup> La bolivianización desde diciembre 2009 incluye: i) Depósitos en el Sistema Financiero (según ASF-I), ii) Certificados de Depósitos (CD) emitidos por el BCB para las administradoras del sistema integral de pensiones y las compañías de seguros y reaseguros y iii) Títulos del BCB en poder del sector privado no financiero que incluyen los Bonos BCB-Directo, BCB-Aniversario, BCB-Navideño y BCB-Plus.